ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, गुरूवार 13 अगस्त 2026

वर्ष 3 अंक 114

मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, लोकसभा सिर्फ 1 मिनट चली

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। सत्र के आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही महज 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब एक घंटे तक चली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी केंद्रीय कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिरला ने वंदे मातरम् गान के बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में अंतिम दिन MMDR संशोधन बिल पारित किया गया। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए कथित शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

संसद के बाहर बंदर के खिलौने के साथ प्रदर्शन

सदन के बाहर विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। सांसद बंदर का खिलौना लेकर संसद परिसर में पहुंचे और नारेबाजी की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में प्रियंका गांधी वाड्रा, सुप्रिया सुले समेत कई विपक्षी सांसद शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद आमने-सामने भी नजर आए।

लोकसभा में 96 घंटे से ज्यादा कार्यवाही बाधित मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन सदन करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चल सका। इस तरह लगभग 96 घंटे 30 मिनट कार्यवाही नहीं हो सकी।

राज्यसभा में भी 76 घंटे से ज्यादा समय बर्बाद

राज्यसभा में भी 19 बैठकें हुईं। करीब 114 घंटे कार्यवाही निर्धारित थी, लेकिन सदन में लगभग 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कार्यवाही नहीं हो सकी। पिछले वर्ष 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला था। उस दौरान लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुई थीं और लोकसभा में करीब 37 घंटे कार्यवाही चली थी।

एयर इंडिया के 5 हजार से ज्यादा पायलटों पर अब रोज ड्रग टेस्ट, फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के बाद बड़ा फैसला

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 5 हजार से ज्यादा पायलटों की अब रोजाना जांच की जाएगी कि उन्होंने प्रतिबंधित दवाओं या नशीले पदार्थों का सेवन तो नहीं किया है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों एयरलाइंस में यह टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। यह फैसला पिछले सप्ताह फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के एक पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद लिया गया। फ्लाइट के भुवनेश्वर के पास से गुजरने के दौरान अचानक टर्बुलेंस जैसी स्थिति बनी और विमान करीब 300 फीट नीचे आ गया था। घटना में कई यात्री और क्रू सदस्य घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, पायलट के दो ड्रग टेस्ट हुए और दोनों पॉजिटिव पाए गए। दूसरे टेस्ट में गांजा सेवन की पुष्टि होने की बात सामने आई।

अलग-अलग जगहों पर होगी जांच

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलटों से मौजूदा नियमों के तहत प्रतिबंधित नशीले पदार्थों और दवाओं की जांच की जाएगी। टेस्ट गुरुग्राम स्थित अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान, फ्लाइट के बाद ब्रीफिंग सेंटर, एयरलाइंस के कार्यालय और संबंधित बेस पर भी किए जाएंगे। एयरलाइंस के मुताबिक, यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और उनका भरोसा बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

उड़ान से 12 घंटे पहले नशे पर रोक

DGCA के नियमों के अनुसार पायलट और क्रू मेंबर को उड़ान से 12 घंटे पहले तक अल्कोहल या किसी मादक पदार्थ का सेवन करने की अनुमति नहीं है। उड़ान के दौरान भी इसका सेवन प्रतिबंधित है। एविएशन सेक्टर में ब्रीथ-एनालाइजर और साइकोएक्टिव सब्सटेंस टेस्टिंग के जरिए पायलटों की जांच की जाती है।

पॉजिटिव टेस्ट पर कड़ी कार्रवाई

ड्रग स्क्रीनिंग में परिणाम 'नॉन-नेगेटिव' आने पर पायलट को तत्काल ड्यूटी से हटाकर पुष्टि के लिए दूसरे नमूने की जांच कराई जाती है। पहली बार पुष्टि होने पर रिहैब और मेडिकल फिटनेस की प्रक्रिया पूरी होने तक उड़ान की अनुमति नहीं होती। दूसरी बार पॉजिटिव पाए जाने पर लाइसेंस तीन साल तक निलंबित किया जा सकता है, जबकि तीसरी बार पुष्टि होने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

नांदेड़ में सुखबीर बादल पर कृपाण से हमला, हाथ में 5 सेंटीमीटर का कट, निहंग ने गुरुद्वारे में किया हमला

24 न्यूज अपडेट

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर गुरुद्वारा माता साहिब कौर में निहंग ने कृपाण से हमला कर दिया। हमले में बादल के हाथ पर करीब 5 सेंटीमीटर का कट लगा। उनकी सुरक्षा में तैनात संतोष हेगड़े भी हमलावर को रोकने के प्रयास में घायल हुए। पुलिस ने हमले के आरोपी निहंग जसपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। घटना दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। हमले के बाद सुखबीर बादल को यशोसाई अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। नांदेड़ कलेक्टर डॉ. राहुल कर्डिले के अनुसार बादल और घायल पुलिसकर्मी की हालत खतरे से बाहर है। सुखबीर बादल परिवार के साथ तख्त श्री हजूर साहिब में माथा टेकने पहुंचे थे। घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी पत्नी एवं सांसद हरसिमरत कौर बादल से फोन पर बात कर सुखबीर बादल का हाल जाना। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से बात कर घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस CCTV फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

फतहसागर से सहेलियों की बाड़ी तक महिलाओं के नाम रहा हरियाली अमावस्या का मेला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल गुरुवार को कुछ अलग ही रंग में नजर आए। फतहसागर से लेकर सहेलियों की बाड़ी तक हरियाली अमावस्या के मेले में सिर्फ महिलाएं और युवतियां नजर आईं। प्रवेश द्वारों पर पुरुषों की एंट्री रोक दी गई और अंदर शुरू हुआ महिलाओं का अपना मेला'जहां खरीदारी भी थी, झूले भी थे, स्वाद भी था और सहेलियों के साथ खुलकर घूमने का मौका भी। यह हरियाली अमावस्या मेले का वह दिन है, जिसका इंतजार शहर की महिलाएं पूरे साल करती हैं। करीब 128 साल पुरानी इस परंपरा में मेले का दूसरा दिन महिलाओं के लिए रखा जाता है। रियासतकाल से चली आ रही यह परंपरा आज भी उसी उत्साह के साथ जारी है।

सज-धजकर पहुंचीं, जमकर की मस्ती

सुबह से ही महिलाएं और युवतियां रंग-बिरंगे परिधानों में सजकर मेला क्षेत्र में पहुंचने लगीं। सहेलियों के साथ घूमतीं युवतियां, परिवार के साथ आई महिलाएं और खरीदारी में व्यस्त भीड़ ने पूरे इलाके को उत्सव के रंग में रंग दिया। मेले में साज-श्रृंगार की दुकानों पर खास भीड़ रही। चूड़ियां, बिंदी, आभूषण और दूसरी श्रृंगार सामग्री महिलाओं को आकर्षित करती रही। कई जगह महिलाएं दुकानदारों से मोलभाव करती नजर आईं तो कहीं पसंद की चीज खरीदने के लिए अपनी बारी का इंतजार करती रहीं। खाने-पीने के स्टॉल भी कम आकर्षण

वाले नहीं थे। चाट-पकौड़ी से लेकर मालपुए और कुल्फी तक, मेले में स्वाद के लिए खूब विकल्प रहे। बच्चों के लिए खिलौनों की दुकानें थीं तो झूले और चक्करियां हर उम्र की महिलाओं और युवतियों को अपनी तरफ खींचती रहीं।

झूले पर डर भी, रोमांच भी

मेले में लगी ऊंची-ऊंची डोलर और चक्करियां खास आकर्षण बनी रहीं। झूले के लिए महिलाओं की कतार लगी रही। ऊपर पहुंचने के बाद डर के बीच खिलखिलाहट और नीचे आते ही फिर अगली सवारी की तैयारी'मेले का यह नजारा पूरे दिन बना रहा। मेले के बीच आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी माहौल को और रंगीन बना दिया। संगीत और प्रस्तुतियों के बीच महिलाओं ने जमकर आनंद लिया। इस मेले की सबसे अलग बात यही है कि दूसरे दिन पूरे मेला क्षेत्र में पुरुषों की एंट्री बंद रहती है। प्रवेश द्वारों पर तैनात पुलिसकर्मी पुरुषों को भीतर जाने से रोकते रहे। मेले में आई महिलाओं का कहना था कि पुरुषों की मौजूदगी नहीं होने से वे यहां ज्यादा सहज महसूस करती हैं। बिना किसी झिझक के सहेलियों के साथ घूमना, खरीदारी करना और झूलों का आनंद लेना इस मेले को उनके लिए खास बनाता है।

महाराणा फतह सिंह के समय शुरू हुई थी परंपरा

हरियाली अमावस्या मेले की यह परंपरा मेवाड़ के महाराणा फतह सिंह के समय शुरू हुई थी। करीब 128 साल पहले महिलाओं के लिए मेले का अलग दिन तय किया गया। उस दौर में महिलाओं को सार्वजनिक आयोजनों में आज की तरह खुलकर शामिल होने के अवसर कम मिलते थे। ऐसे समय में महिलाओं को बिना घूंघट और सामाजिक झिझक के मेले में घूमने, खरीदारी करने और मनोरंजन का अवसर देना अपने आप में अलग पहल थी। इसके बाद यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती गई और आज उदयपुर के हरियाली अमावस्या मेले की सबसे खास पहचान बन चुकी है। कोविड काल को छोड़ दें तो यह मेला हर साल इसी परंपरा के साथ आयोजित होता आया है।

पांच किलोमीटर के दायरे में मेले की रौनक

हरियाली अमावस्या का यह पारंपरिक मेला फतहसागर झील से लेकर सहेलियों की बाड़ी तक करीब पांच किलोमीटर के क्षेत्र में अपनी रौनक बिखेरता है। दो दिन तक शहर के इस हिस्से में अलग ही माहौल रहता है। पहले दिन जहां आम लोगों के साथ पुरुष भी मेले का आनंद लेते हैं, वहीं दूसरे दिन पूरा मेला महिलाओं के लिए आरक्षित रहता है। यही अनोखी व्यवस्था इस मेले को देश के दूसरे मेलों से अलग पहचान देती है। महिलाओं के लिए आयोजित दिन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। अलग-अलग प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल तैनात रहा। 150 से ज्यादा महिला कांस्टेबल ड्यूटी पर रहीं। सादा वर्दी में पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई। मेला क्षेत्र में भीड़ पर नजर रखने के लिए ड्रोन और दूरबीन का इस्तेमाल किया गया। पुलिस और प्रशासन की कोशिश रही कि महिलाओं को मेले में घूमने और खरीदारी करने के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

128 साल बाद भी कायम है मेवाड़ की यह खास परंपरा

समय बदल गया, मेले का स्वरूप बदल गया, बाजार और मनोरंजन के साधन बदल गए, लेकिन उदयपुर की यह परंपरा आज भी कायम है। हरियाली अमावस्या के दूसरे दिन जब फतहसागर और सहेलियों की बाड़ी की ओर जाने वाली सड़कों पर सिर्फ महिलाएं नजर आती हैं और प्रवेश द्वारों पर पुरुषों को रोक दिया जाता है, तो उदयपुर का यह मेला अपने आप में एक अलग कहानी कहता है।

संपादकीय : सुरक्षा में खामी

जब भी कोई विमान हादसा होता है, तो उसके जांच निष्कर्षो का पहला सबक यही होना चाहिए कि भविष्य में उस तरह की खामियां किसी दुर्घटना का कारण न बनें। मगर विमान हादसों का सिलसिला जिस तरह बदस्तूर जारी है, उससे यह विश्वास करना मुश्किल है कि सबक लेने और सुधार की प्रक्रिया में कहीं कोई गंभीरता बरती जाती है। कहने को यात्रियों की सुरक्षा सरकार और विमानन कंपनियों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और ही नजर आती है। तकनीकी सतर्कता की कमी और मानव जनित गड़बड़ियों को दूर करने के लिए तमाम तरह के नियम बनाए गए हैं, मगर इनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र का अभाव आज भी साफ दिखाई देता है । इसका ताजा उदाहरण हाल में थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान के साथ हुआ वह हादसा है, जिसमें विमान हवा में अचानक अनियंत्रित होकर तीन सौ फुट नीचे आ गया और सत्रह यात्री घायल हो गए। इस विमान में चालक दल के साथ कुल 145 यात्री सवार थे। हादसे की प्रारंभिक जांच में सामने आया है। कि विमान के मुख्य पायलट ने मनःप्रभावी यानी नशीले पदार्थ का सेवन किया था। इससे हवाई सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का भले ही विस्तार किया जा रहा है, विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है, मगर सुरक्षा के मोर्चे पर मानकों के अनुरूप सतर्कता, सक्रियता और गंभीरता पर ध्यान कम ही दिया जाता है। यही वजह है कि कभी तकनीकी खराबी, कभी मानवीय चूक, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं। फुकेत से दिल्ली आ रहे विमान के अनियंत्रित होने की वजह वायुमंडलीय अस्थिरता यानी एअर टबेलेंस बताई गई थी। हालांकि बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया था, मगर अहम सवाल यह है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है ? इस तरह की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि पायलटों तथा अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है। और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। मगर जब पायलट नशीले पदार्थ का सेवन कर विमान उड़ाने लगे, तो यह व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। क्या उड़ान से पहले चालक दल का जरूरी परीक्षण नहीं किया जाता है ? अगर नियमानुसार यह व्यवस्था लागू है, तो फिर क्या वजह है कि फुकेत दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट के नशीले पदार्थ के सेवन की बात पहले पकड़ में नहीं आई, जिस कारण यात्रियों की जान मुश्किल में पड़ गई। अगर समय रहते स्थिति नियंत्रण में नहीं आती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कहना है कि इस हादसे के प्रारंभिक जाँच निष्कर्षो को गंभीरता से लिया गया है और अब इसकी गहराई से जांच की जाएगी। मगर सवाल यही है कि क्या इस जांच के नतीजे से सबक लेकर भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त सतर्कता एवं सुरक्षा उपायों पर ध्यान दिया जाएगा या फिर इसे भी संबंधित हादसे तक ही सीमित रखा जाएगा ?

हिंसा का दायरा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हिंसक वारदातों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद अपराधियों में कानून का कोई खौफ नजर नहीं आता है। यहां तक कि मामूली विवाद में किसी की जान लेना सामान्य बात हो गई है। हाल में यहां के बेगमपुर इलाके में ऐसी ही घटना सामने आई, जहां महज सात सौ रुपए नहीं लौटाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। सवाल है कि सुरक्षा की लिहाज से संवेदनशील मानी जाने वाली देश की राजधानी में अपराध की इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है ? चिंता का विषय यह भी है कि लोग छोटी-सी बात पर इस कदर हिंसक हो उठते हैं कि किसी को जान से मार देने में भी उनके हाथ नहीं कांपते हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अहम सवाल यह है कि उधार की छोटी-सी रकम क्या किसी की जान की कीमत से बढ़कर है ? महज कुछ रुपए के लिए किसी की हत्या कर देना कानून व्यवस्था की विफलता तो है ही, मगर इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गंभीर चिंता की बात यह है कि आपराधिक घटना के दौरान वहां मौजूद लोग बीच-बचाव के लिए आगे आने के बजाय तमाशबीन बने रहते हैं । यह आत्मकेंद्रित हो रहे समाज की स्याह तस्वीर को उजागर करता है। इससे पता चलता है कि लोग नैतिक और मानवीय मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। शहरों में बढ़ते अपराध के कारणों में आर्थिक पहलू भी शामिल है। बेरोजगारी और महंगाई ने आम लोगों की चुनौतियां खड़ा दी हैं। यही वजह है कि कुछ लोग चंद रुपए की खातिर किसी की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। कुछ समय पहले दिल्ली के तिलकनगर में मात्र डेढ़ सौ रुपए के लेन-देन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। जाहिर है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने का जिम्मा संभाले सुरक्षा एजंसियों को और ज्यादा सतर्क एवं संवदेनशील होने की जरूरत है। साथ ही आपराधिक गतिविधियों के कारणों में शामिल सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करना होगा ।

दो दिन से लापता बुजुर्ग दंपती, खुला मिला घर का दरवाजा; परिजनों को अपहरण की आशंका, थाने पहुंचकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र के पुनावली गांव में बुधवार सुबह से बुजुर्ग पति-पत्नी के अचानक लापता होने से सनसनी फैल गई। 65 वर्षीय लहरी लाल पालीवाल और उनकी 62 वर्षीय पत्नी राधा देवी अपने घर पर अकेले रहते थे। बुधवार सुबह से दोनों का कोई पता नहीं है। परिजनों को अब उनके साथ किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। बुजुर्ग दंपती के लापता होने की सूचना के बाद गुरुवार को परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण सायरा थाने पहुंचे। लोगों ने दंपती की तलाश में तेजी लाने की मांग करते हुए पुलिस के समक्ष विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना था कि दो दिन बीतने के बावजूद बुजुर्ग दंपती का पता नहीं चल पाना गंभीर चिंता का विषय है और पुलिस को हर संभावित पहलू से जांच करते हुए जल्द तलाश करनी चाहिए।

दूध देने नहीं पहुंचे तो पड़ोसी को हुआ शक

लहरी लाल गांव में दूध बेचने का काम करते हैं। बुधवार सुबह जब वे दूध देने के लिए नहीं पहुंचे तो एक पड़ोसी को संदेह हुआ। पड़ोसी उनके घर पहुंचा तो घर का दरवाजा खुला था, लेकिन अंदर दोनों नहीं मिले। इसके बाद पड़ोसी ने उनके बेटे को फोन कर इसकी जानकारी दी। बेटे ने रिश्तेदारों से घर और आसपास के इलाके में तलाश करने को कहा, लेकिन दोनों का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद सायरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

बेटा राजकोट में करता है नौकरी, खबर मिलते ही पहुंचा

बुजुर्ग दंपती का बेटा मनोहर राजकोट में निजी नौकरी करता है। माता-पिता के लापता होने की सूचना मिलते ही वह सायरा पहुंचा और रिश्तेदारों के साथ उनकी तलाश शुरू की। मनोहर के मुताबिक, मंगलवार रात उसकी अपनी मां राधा देवी से फोन पर बात हुई थी। बातचीत के बाद दोनों सो गए थे। बुधवार सुबह पड़ोसी ने घर का दरवाजा खुला होने और माता-पिता के घर में नहीं होने की सूचना दी। इसके बाद उसने रिश्तेदारों को मौके पर भेजा, लेकिन घर के अंदर और आसपास तलाश करने के बावजूद दोनों नहीं मिले।

परिजनों को अपहरण की आशंका, पुलिस ने शुरू की तलाश

परिजनों ने बुजुर्ग दंपती के अपहरण की आशंका जताई है। हालांकि अभी तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है जिससे अपहरण की पुष्टि हो सके। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि दंपती किन परिस्थितियों में घर से निकले और उनके साथ क्या हुआ। पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। मोबाइल लोकेशन को ट्रेस करने के साथ संभावित स्थानों पर दंपती की तलाश की जा रही है। पुलिस उनके संपर्क, आने-जाने के संभावित रास्तों और आसपास के परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही है।

दो दिन बाद भी सुराग नहीं, ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

सबसे बड़ा सवाल यह है कि घर पर अकेले रहने वाले बुजुर्ग दंपती आखिर अचानक कहां चले गए। घर का दरवाजा खुला मिलना और दोनों का एक साथ गायब होना परिजनों की चिंता बढ़ा रहा है। फिलहाल पुलिस के सामने चुनौती दंपती को जल्द से जल्द तलाशने के साथ यह पता लगाने की है कि वे अपनी इच्छा से घर से निकले थे या किसी परिस्थिति के चलते उनके साथ कोई घटना हुई।

वंदे मातरम् के सामूहिक गायन में स्वर, उच्चारण और भाव की शुद्धता का अभ्यास

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 13 अगस्त। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर एवं राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में वंदे मातरम् की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गायन की कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को महाविद्यालय में किया गया। कार्यशाला में छात्राओं एवं कार्मिकों को राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के विभिन्न पहलुओं का अभ्यास करवाया गया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के केन्द्र निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के साथ वंदे मातरम् की 150वीं जयंती वर्ष मनाने के क्रम में राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में शब्दों के शुद्ध उच्चारण, गायन की लय, उचित स्वर स्तर एवं उतार-चढ़ाव, पंक्तियों के बीच आवश्यक अंतराल तथा शब्दों के भाव से जुड़कर गायन करने पर विशेष ध्यान दिया गया। संगीतकार डॉ. प्रेम भण्डारी ने पहले वंदे मातरम् की पंक्तियों का गायन किया तथा छात्राओं एवं कार्मिकों ने उनके साथ पंक्तियों को दोहराते हुए अभ्यास किया। संपूर्ण वंदे मातरम् के अंतरों का बार-बार अभ्यास करवाया गया तथा गायन में आवश्यक सुधार के लिए संगीतकार द्वारा निर्देश दिए गए। संगीतकार डॉ. प्रेम भण्डारी के साथ तबले पर ओम प्रकाश कुमावत ने संगत की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों के लिए प्रेरणा का प्रमुख स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला के प्रारंभ में प्राचार्य प्रो. अंजना गौतम ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के उपनिदेशक पवन अमरावत, कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता, सुनील निमावत, वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. लाजवंती बनावत, प्रो. श्याम कुमावत, प्रो. अशोक सोनी, प्रो. राम सिंह भाटी सहित अनेक संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही। सांस्कृतिक प्रभारी प्रो. नूतन कवितकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. स्नेहा बाबेल ने किया। कार्यशाला का समापन सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट स्वर, शुद्ध उच्चारण, भावपूर्ण प्रस्तुति एवं सामूहिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण गायन हुआ। सामूहिक वंदे मातरम् गायन के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता निभाई एवं राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रोत्साहित करना था।

कल उदयपुर में गूंजेगी काकोरी क्रांति गाथा, 90 मिनट का नाट्य मंचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 13 अगस्त। भारत माता को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए 9 अगस्त 1925 को हुई काकोरी क्रांति के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को उदयपुर में काकोरी क्रांति गाथा नाट्य का मंचन किया जाएगा। प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ और सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह मंचन शुक्रवार शाम 5 बजे रवीन्द्र नाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के नवीन सभागार में होगा। यह 90 मिनट की अवधि का नाट्य मंचन आज की पीढ़ी को स्वाधीनता संग्राम के संघर्ष के दौरान क्रांतिकारियों के कष्टों और उनकी जिजीविषा की अनुभूति कराएगा। प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि 1925 में भारत मां के सपूत युवा क्रांतिकारियों के काकोरी प्रतिरोध ने पूरे देश में स्वाधीनता के लिए संघर्ष की नई ऊर्जा प्रवाहित की थी। इससे देश के कई युवा प्रेरित हुए और देश के स्वतंत्रता आंदोलन ने नई करवट ली। काकोरी प्रतिरोध के युवा क्रांतिकारी हंसते-हंसते अंग्रेज सरकार के फांसी के फंदे पर झूल गए। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर होने जा रहा काकोरी क्रांति गाथा नाट्य मंचन नई पीढ़ी में भारत मां के लिए सर्वस्व समर्पण के भाव को संचरित करेगा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र राजस्थान चैप्टर के संयोजक मनोज जोशी ने बताया कि इस आयोजन में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, रवीन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय भी सहयोगी हैं। विभिन्न महाविद्यालयों व विद्यालयों के गुरुवरों व छात्र-छात्राएं को इस नाट्य मंचन में आमंत्रित किया गया है। उनसे आग्रह किया गया है कि वे ज्यादा से ज्यादा युवा विद्यार्थियों को इस नाट्य मंचन को देखने के लिए प्रेरित करें। जोशी ने बताया कि इस अवसर पर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक अश्विन दलवी होंगे। अध्यक्षता आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राहुल जैन करेंगे।

पहली 50 राखियों की बुकिंग पर बहनों को मिले उपहार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रक्षाबंधन से पहले हिरणमगरी सेक्टर-5 उप डाकघर में इस बार राखी भेजने का अंदाज कुछ खास नजर आया। भारतीय डाक विभाग ने राखी बुक कराने आने वाली बहनों के स्वागत के लिए डाकघर को उत्सवी रंग में सजाया और पहली 50 बहनों को उपहार देकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। डाकघर में गुब्बारों और रंग-बिरंगी सजावट के साथ विशेष सेल्फी पॉइंट भी तैयार किया गया, जहां भाई-बहनों ने यादगार तस्वीरें लीं। राखी की बुकिंग के लिए पहुंची महिलाओं को डाक विभाग की ओर से सुरक्षित और समय पर राखी पहुंचाने का भरोसा भी दिलाया गया। पहली 50 बहनों को मिले गिफ्ट कार्यक्रम का खास आकर्षण रहे। उपहार मिलने पर बहनों में उत्साह नजर आया। रक्षाबंधन के मौके पर डाकघर की इस पहल ने सामान्य डाक सेवा को एक छोटे से उत्सवी अनुभव में बदल दिया। हिरणमगरी पोस्टमास्टर सनद झिरीवार, जनसंपर्क निरीक्षक एलडी शर्मा सहित डाकघर का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कर्मचारियों ने राखी बुक कराने पहुंचने वाली बहनों का स्वागत किया और उन्हें डाक विभाग की सेवाओं की जानकारी भी दी। डाकघर की पहल का संदेश साफ रहा'राखी सिर्फ एक डाक नहीं, भाई-बहन के रिश्ते की भावना है, जिसे सुरक्षित पहुंचाना भी एक सेवा है।

'भेड़चाल' बयान पर सलूंबर में बवाल, मदन राठौड़ का पुतला फूंका

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर, 13 अगस्त। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन लाल राठौड़ के आदिवासी समाज को लेकर दिए गए कथित 'भेड़चाल' वाले बयान के विरोध में गुरुवार को सलूंबर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन हुआ। भारत आदिवासी पार्टी के कार्यकर्ताओं और आदिवासी समाज के लोगों ने बयान पर नाराजगी जताते हुए राठौड़ का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष आनंद जी बुज ने किया। पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समाजजनों की मौजूदगी में प्रदर्शनकारियों ने बयान को आदिवासी समाज का अपमान बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आदिवासी समाज को 'भेड़चाल से जोड़ना पूरे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। उन्होंने मदन राठौड़ से बयान वापस लेने के साथ सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि समाज अपनी संस्कृति, परंपराओं और पहचान को लेकर सजग है और सम्मान के मुद्दे पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन में भारत आदिवासी पार्टी के उदयपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रकाश बुज, विधानसभा प्रत्याशी जीतू भाई कटारा सहित जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पार्टी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

दो जगह बाइक चोरी, स्टेशन पार्किंग और स्क्वायर मॉल के बाहर से वाहन पार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में वाहन चोरों की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। प्रतापनगर और सुखेर थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले दर्ज हुए हैं। दोनों घटनाओं में अज्ञात चोर वाहन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में प्रतापनगर थाना क्षेत्र की रेलवे स्टेशन पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी हुई। धुलकोट निवासी राहुल सोनी (31) ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि उनकी मोटरसाइकिल RJ 09 US 1263 स्टेशन पार्किंग में खड़ी थी। 7 अगस्त को शाम करीब 8.05 बजे के आसपास बाइक वहां से गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता नहीं चलने पर राहुल ने प्रतापनगर थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और पार्किंग क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है।

स्क्वायर मॉल के पास से दूसरी बाइक गायब

दूसरी वारदात सुखेर थाना क्षेत्र के स्क्वायर मॉल के पास हुई। नीमच खेड़ा, दुर्गा कॉलोनी निवासी विशाल मेघवाल (22) ने रिपोर्ट दी कि उनकी मोटरसाइकिल RJ27BC 6286 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार 6 जुलाई को दोपहर करीब 2.39 बजे बाइक स्क्वायर मॉल के पास खड़ी की गई थी। बाद में लौटने पर बाइक मौके पर नहीं मिली। आसपास तलाश और जानकारी करने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर सुखेर थाने में रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने इस मामले में भी बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दोनों मामलों में पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग, संदिग्धों की गतिविधियों और वाहन चोरों के पुराने रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं दोनों वारदातों के पीछे एक ही गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

दो जगह बाइक चोरी, स्टेशन पार्किंग और स्क्वायर मॉल के बाहर से वाहन पार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में वाहन चोरों की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। प्रतापनगर और सुखेर थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से दो मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले दर्ज हुए हैं। दोनों घटनाओं में अज्ञात चोर वाहन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में प्रतापनगर थाना क्षेत्र की रेलवे स्टेशन पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी हुई। धुलकोट निवासी राहुल सोनी (31) ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि उनकी मोटरसाइकिल RJ 09 US 1263 स्टेशन पार्किंग में खड़ी थी। 7 अगस्त को शाम करीब 8.05 बजे के आसपास बाइक वहां से गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता नहीं चलने पर राहुल ने प्रतापनगर थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) में मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और पार्किंग क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है।

स्क्वायर मॉल के पास से दूसरी बाइक गायब

दूसरी वारदात सुखेर थाना क्षेत्र के स्क्वायर मॉल के पास हुई। नीमच खेड़ा, दुर्गा कॉलोनी निवासी विशाल मेघवाल (22) ने रिपोर्ट दी कि उनकी मोटरसाइकिल RJ27BC 6286 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार 6 जुलाई को दोपहर करीब 2.39 बजे बाइक स्क्वायर मॉल के पास खड़ी की गई थी। बाद में लौटने पर बाइक मौके पर नहीं मिली। आसपास तलाश और जानकारी करने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर सुखेर थाने में रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने इस मामले में भी बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दोनों मामलों में पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग, संदिग्धों की गतिविधियों और वाहन चोरों के पुराने रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं दोनों वारदातों के पीछे एक ही गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

बैंक खाते से साइबर फ्रॉड, फतहनगर के व्यक्ति के खाते से रकम निकली

24 न्यूज अपडेट

फतहनगर। फतहनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति के बैंक खाते से साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। साइबर थाना से प्राप्त शून्य एफआईआर के आधार पर फतहनगर थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार नाथूलाल कुमावत (39), निवासी वार्ड नंबर 11, वासनी माफी, फतहनगर ने शिकायत दी है कि उसके राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक, शाखा फतहनगर के खाते से साइबर फ्रॉड हुआ है। शिकायत के बाद साइबर थाना से प्राप्त शून्य एफआईआर को संबंधित थाने में भेजा गया, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66C के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब बैंक खाते से हुए संदिग्ध लेन-देन, ट्रांजेक्शन की जानकारी और साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए माध्यमों की जांच कर रही है। अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद पुलिस का प्रयास अब साइबर फ्रॉड की कड़ी को बैंक खाते और डिजिटल लेन-देन के जरिए जोड़कर आरोपी तक पहुंचने का है।

भैरूजी के देवरे में चोरी, चैनल गेट और गुल्लक तोड़कर नकदी व चांदी का छत्र ले गए चोर

24 न्यूज अपडेट

कानोड़। कानोड़ में चोरों ने धार्मिक स्थल को भी नहीं बख्शा। जवाहर विद्यापीठ क्षेत्र में स्थित स्वर्णकार समाज के भैरूजी के देवरे में रात के समय अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर चैनल गेट और गुल्लक तोड़कर करीब 4 से 5 हजार रुपए नकद तथा करीब 40 ग्राम वजनी चांदी का छत्र चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सामने आने के बाद देवरे से जुड़े लोगों में नाराजगी है। बताया गया कि चोरों ने रात में देवरे के चैनल गेट को तोड़ा और अंदर रखी गुल्लक को भी निशाना बनाया। इसके बाद उसमें रखी नकदी निकाल ली। चोर धार्मिक स्थल पर स्थापित करीब 40 ग्राम वजन का चांदी का छत्र भी अपने साथ ले गए। मामले में गुलाबचंद सोनी (61), निवासी धींगों की घाटी, कानोड़ की रिपोर्ट पर कानोड़ थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों, संदिग्ध आवाजाही और चोरी की गई चांदी के छत्र की बरामदगी के आधार पर चोरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल हनुमानाराम, कर रहे हैं।

हाईवे ब्रिज के नीचे से बाइक चोरी, 13 दिन बाद थाने में दर्ज हुआ मामला

24 न्यूज अपडेट

खेरोदा। मेनार डाक बंगला हाईवे ब्रिज के नीचे खड़ी हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस बाइक चोरी हो गई। बाइक मालिक ने अज्ञात चोर के खिलाफ खेरोदा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। चोरी की वारदात 30 जुलाई की सुबह की बताई गई है, जबकि मामला 12 अगस्त को दर्ज हुआ। पुलिस के अनुसार 61 वर्षीय ओंकार लाल मेघवाल, निवासी मेनार, थाना खेरोदा ने रिपोर्ट दी कि उनकी बाइक आरजे 27 क्यूएस 5086 को 30 जुलाई 2026 को सुबह करीब 8 बजे मेनार डाक बंगला हाईवे ब्रिज के नीचे खड़ा किया गया था। कुछ समय बाद लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। आसपास तलाश करने और जानकारी जुटाने के बावजूद बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब चोरी गई बाइक की तलाश के साथ आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों और संभावित रास्तों की जानकारी जुटा रही है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक हरमुख कर रहे हैं।

बोरिंग की मोटर, केबल और पाइप चोरी, एंगल तक काट ले गए बदमाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। थाना झाड़ोल क्षेत्र के छातरड़ी गांव में खेत पर लगी बोरिंग को अज्ञात बदमाशों ने निशाना बनाते हुए मोटर, इलेक्ट्रिक केबल और पाइप चोरी कर लिए। बदमाशों ने चोरी के लिए बोरिंग के एंगल तक काट डाले और मौके पर लगे पाइप व रस्से को भी टुकड़ों में कर दिया। पुलिस के अनुसार किशोर सिंह जी चौहान (68), निवासी छातरड़ी, झाड़ोल की ओर से रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि अज्ञात बदमाश बोरिंग पर लगे मोटर पंप को केबल सहित निकालकर ले गए। इसके साथ ही बोरिंग में लगे पाइप को भी काट दिया गया। बदमाशों ने वहां लगे एंगलों को काटने के साथ पाइप और रस्सी को भी क्षतिग्रस्त किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में संदिग्धों और चोरी की गई मोटर-केबल के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

फेसबुक-व्हॉट्सऐप पर संपर्क कर 2.86 लाख की ठगी, विदेश घूमने के नाम पर बनाया शिकार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। साइबर ठगों ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर विदेश घूमने के दौरान लगने वाली फीस और एयरपोर्ट की औपचारिकताओं के नाम पर एक व्यक्ति से 2 लाख 86 हजार रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर कानोड़ थाने में साइबर ठगी का मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार विनोद कुमार सैनी (38), निवासी कानोड़ से किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेसबुक और व्हॉट्सऐप के माध्यम से संपर्क किया। बातचीत के दौरान आरोपी ने इंडिया घूमने आने और यात्रा से जुड़ी औपचारिकताओं के नाम पर पीड़ित को भरोसे में लिया। इसके बाद एयरपोर्ट करेंसी एक्सचेंज, रजिस्ट्रेशन फीस, फ्लाइट फीस सहित अलग-अलग मदों में रकम जमा कराने के लिए कहा। आरोपी की बातों में आकर विनोद कुमार ने अलग-अलग भुगतान कर दिए। इस तरह ठगों ने उनसे कुल 2,86,000 रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। बाद में ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 316(2), 318(4) तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच थानाधिकारी हनुमानाराम कर रहे हैं।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 5.27 लाख की साइबर ठगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शेयर बाजार में निवेश कर कम समय में अच्छा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने केशव नगर निवासी 59 वर्षीय व्यक्ति से 5 लाख 27 हजार रुपए ठग लिए। ठगी का अहसास होने के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार अनिल कुमार जैन (59), निवासी 5 केशव नगर, यूनिवर्सिटी रोड से अज्ञात व्यक्ति ने व्हॉट्सऐप के जरिए संपर्क किया। आरोपी ने शेयर मार्केट में निवेश कराने और उससे बेहतर रिटर्न दिलाने का भरोसा देकर पीड़ित को अपने जाल में फंसाया। आरोपी के कहने पर पीड़ित ने अलग-अलग समय में निवेश के नाम पर कुल 5,27,000 रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जब रकम वापस मिलने या निवेश से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली तो उन्हें साइबर ठगी का संदेह हुआ। मामले में साइबर थाने में बीएनएस की धारा 316(2), 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। साइबर पुलिस डिजिटल लेन-देन, व्हॉट्सऐप संपर्क और रकम जिन खातों में पहुंची, उनकी जानकारी जुटा रही है।

5 रुपए का नोट खरीदने का झांसा, 53,499 रुपए की ठगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दुर्लभ पुराने नोट खरीदने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का एक और मामला सामने आया है। घासा थाना क्षेत्र के सांगवा निवासी अम्बालाल खटीक (40) को अज्ञात व्यक्ति ने 5 रुपए का नोट खरीदने का झांसा देकर 53,499 रुपए की ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पीड़ित से 5 रुपए के नोट को खरीदने की बात कही। इसके बाद अलग-अलग प्रक्रिया और भुगतान के नाम पर उसे अपने जाल में फंसाया और कुल 53,499 रुपए हड़प लिए। जब नोट खरीदने के बजाय लगातार रकम की मांग होती रही तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद अम्बालाल ने घासा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, बैंक लेन-देन और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल संजीव को सौंपी गई है।

साइबर ठगी के 'म्यूल अकाउंट' बने दो बैंक खाते, प्रतापनगर पुलिस ने दर्ज किए अलग-अलग मामले

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिए आगे पहुंचाने के मामले में प्रतापनगर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। जांच में सामने आए दो बैंक खातों को पुलिस ने 'म्यूल अकाउंट की श्रेणी में बताया है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और धोखाधड़ी से जुड़ी रकम के लेन-देन के लिए किए जाने का आरोप है।

पहले मामले में प्रतापनगर थाने के एएसआई चंदन सिंह की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार महेन्द्र सिंह, निवासी वार्ड नंबर 15, कालका माता रोड, गिरवा से जुड़े बैंक खाते को साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। संबंधित बैंक खाता म्यूल अकाउंट की परिधि में पाया गया, जिसके जरिए साइबर ठगी और धोखाधड़ी से संबंधित लेन-देन किए जाने का आरोप है। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस अब खाते में हुए लेन-देन, रकम भेजने और प्राप्त करने वाले लोगों तथा खाते के वास्तविक इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है।

दूसरे खाते पर भी साइबर फ्रॉड से जुड़े लेन-देन का आरोप

दूसरे मामले में भी प्रतापनगर थाने के एएसआई चंदन सिंह की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। इसमें भगवत मोहन सिंह राव, निवासी मेडता थाना डबोक, हाल निवासी एल-27, टीएफ-13, मेधा आवास योजना, बेडवास से जुड़े बैंक खाते को म्यूल अकाउंट की परिधि में आने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार संबंधित बैंक खाता संख्या 100266601123 साइबर फ्रॉड एवं धोखाधड़ी से जुड़े लेन-देन में इस्तेमाल होने की जानकारी मिली। इसके आधार पर खाते और उससे जुड़े व्यक्ति के संबंध में जांच शुरू की गई है। इस मामले में भी बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साइबर अपराधों में म्यूल अकाउंट ऐसे बैंक खातों को कहा जाता है जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने और उसे आगे दूसरे खातों में भेजने के लिए किया जाता है। ऐसे मामलों में खाता धारक की भूमिका जानबूझकर थी या उसका खाता किसी दूसरे तरीके से इस्तेमाल हुआ, यह जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

आ गए चुनावी 'अच्छे दिन' : उदयपुर मेयर सीट पर ओपन-फाइट

हैविवेट दावेदारों में घमासान शुरू, एक अनार-सौ बीमार की स्थिति

संभाग में 28 निकायों के 905 वार्डों में आरक्षण का गणित खुला, कहीं एसटी , कहीं ओबीसी और महिला आरक्षण ने बदली तस्वीर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निकाय चुनाव के लिए अध्यक्ष और मेयर पदों की आरक्षण लॉटरी ने उदयपुर संभाग की स्थानीय राजनीति को एक साथ कई दिशाओं में मोड़ दिया है। सबसे ज्यादा नजर उदयपुर नगर निगम पर है, जहां मेयर पद अनारक्षित ओपन रखा गया है। इसके साथ ही संभाग के 28 नगरीय निकायों के 905 वार्डों में आरक्षण का जो व्यापक ढांचा तैयार हुआ है, वह अगले चुनाव में पार्टियों के टिकट वितरण से लेकर वार्डवार उम्मीदवारों के चयन और बोर्ड गठन तक की राजनीति को प्रभावित करने वाला है। उदयपुर में मेयर पद की लॉटरी खुलने के बाद सामान्य वर्ग के नेताओं की मंसूबों को आज पंख लग गए। महिला और पुरुष दोनों खेमों में लामबंदी शुरू हो गई। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक वर्गों से आने वाले पात्र उम्मीदवार भी ओपन सीट पर मैदान में उतरने का दावा अब कर सकते हैं ऐसे में मुकाबला बहुत दिलचस्प हो गया है। इसलिए जहां दावेदारी आरक्षण से तय होती थी, अब राजनीतिक ताकत, पार्टी का टिकट और चुनाव के बाद बनने वाला बहुमत निर्णायक होने वाला है।

उदयपुर में बदला सबसे बड़ा समीकरण

उदयपुर में नगर निगम की पिछला मेयर ओबीसी पुरुष वर्ग से था। इस बार सीट अनारक्षित होने से राजनीतिक दावेदारी का दायरा बढ़ गया है। कुछ खांटी नेताओं से लेकर कुछ धन बल रखने वालों की भी इच्छाएं कुलांचे मारने लगी हैं। इसका सबसे सीधा असर पार्टियों के भीतर दिखाई देगा। ऐसे नेता जो पिछली बार आरक्षण की वजह से मेयर पद की दौड़ में नहीं आ सकते थे, अब अपने लिए राजनीतिक जमीन पर ताला ठेक लेंगे। लेकिन इसके साथ ही पार्टी नेतृत्व के सामने मुश्किलें भी बढ़ेगी। ओपन सीट जितने ज्यादा नेताओं को मौका देती है, उतनी ही ज्यादा टिकट की प्रतिस्पर्धा भी पैदा करती है। एक पद के लिए कई दावेदार सामने आ सकते हैं। इनमें से किसी एक को चुनने के बाद बाकी को साथ रखना पार्टियों के लिए बड़ी परीक्षा होगी। खास कर भाजपा के लिए एक अनार सौ बीमार जैसी स्थिति हो सकती है। उदयपुर की राजनीति में भाजपा का लगातार बोर्ड बनने का इतिहास इस मुकाबले को और महत्वपूर्ण बनाता है। 1994 से अब तक अलग-अलग चुनावों में भाजपा के बोर्ड रहे हैं। अब पार्टी के सामने सिर्फ सत्ता बचाने का सवाल नहीं, बल्कि मेयर के लिए ऐसा चेहरा चुनने की चुनौती होगी जो संगठन, पार्षदों और शहर के अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बना सके। पिछले मेयर जीएस टांक की जो छवि है वो किसी से छिपी हुई नहीं है। ऐसे में भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इधर, कांग्रेस में भी घमासान कम नहीं है वहां भी एक अनार सौ बीमार जैसी हालत होने वाली है। महत्वाकांक्षी वहां ज्यादा है मगर जमीनी स्तर पर काम करने वाले कम।

80 वार्ड तय करेंगे मेयर की कुर्सी

मेयर पद पर आरक्षण खुल गया, लेकिन मेयर की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता अभी भी 80 वार्डों से होकर जाएगा। उदयपुर नगर निगम में 406 मतदान केंद्रों पर होने वाला चुनाव पूरे जिले की निकाय राजनीति का सबसे बड़ा मुकाबला होगा। चार लाख से ज्यादा मतदाता वाले निगम में पार्टी का मेयर चेहरा कितना भी मजबूत क्यों न हो, यदि वार्डों में पर्याप्त संख्या नहीं आती तो उसकी राजनीतिक ताकत सीमित हो जाएगी। इसलिए इस बार पार्टियों के लिए मेयर उम्मीदवार से ज्यादा अहम वार्डवार उम्मीदवार चयन हो सकता है। किस वार्ड में पुराना पार्षद मजबूत है, कहां नया चेहरा बेहतर है, कहां बागी उम्मीदवार नुकसान पहुंचा सकता है और कहां जातीय समीकरण पार्टी के पक्ष में हैं'इन सवालों के जवाब ही अंततः बोर्ड का आकार तय करेंगे।

जिले के बाकी निकायों में भी बदली तस्वीर

उदयपुर जिले में उदयपुर के अलावा भींडर, कानोड़, फतहनगर-सनवाड़, मावली और वल्लभनगर निकाय चुनाव के मैदान में हैं। अध्यक्ष पदों की आरक्षण व्यवस्था ने इन सभी जगहों पर अलग-अलग राजनीतिक तस्वीर बनाई है। भींडर में अध्यक्ष पद अनारक्षित ओपन रहने से किसी वर्ग के महिला या पुरुष नेता के लिए रास्ता खुला है। पिछली बार सामान्य महिला आरक्षण के कारण पुरुष दावेदारों के लिए जो सीमा थी, वह अब नहीं है। सलूंबर में भी अध्यक्ष पद अनारक्षित ओपन है और यहां यह स्थिति पिछली श्रेणी के अनुरूप ही बनी है। ऐसे में यहां चुनाव मुख्य रूप से स्थानीय राजनीतिक ताकत और संगठन के प्रभाव की परीक्षा बनेगा। कानोड़ में ओबीसी ओपन होने से मुकाबला ओबीसी वर्ग तक सीमित रहेगा, लेकिन महिला और पुरुष दोनों दावेदारी कर सकेंगे। यहां राजनीतिक दलों को ओबीसी समाज के भीतर ऐसा चेहरा तलाशना होगा जिसकी स्वीकार्यता केवल अपने वार्ड तक सीमित न हो। फतहनगर-सनवाड़ में अनारक्षित महिला सीट होने से मुकाबले का चेहरा पूरी तरह बदल गया है। यहां किसी भी वर्ग की पात्र महिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर सकती है। पुरुष दावेदार इस बार अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर रहेंगे। मावली में एसटी ओपन और वल्लभनगर में एसटी महिला आरक्षण ने दोनों नई नगर पालिकाओं की शुरुआती राजनीतिक दिशा तय कर दी है। मावली में एसटी वर्ग के महिला-पुरुष दोनों दावेदार सामने आ सकते हैं, जबकि वल्लभनगर में एसटी महिला नेतृत्व को अवसर मिलेगा।

28 निकायों का बड़ा राजनीतिक कैनवास

उदयपुर संभाग की तस्वीर केवल इन छह निकायों तक सीमित नहीं है। कुल 28 नगरीय निकायों में 905 वार्ड हैं। इनमें आरक्षण का व्यापक विभाजन स्थानीय चुनाव की सामाजिक संरचना को साफ दिखाता है। पूरे संभाग में 112 वार्ड अनुसूचित जाति, 82 वार्ड अनुसूचित जनजाति, 178 वार्ड ओबीसी और 533 वार्ड सामान्य श्रेणी में आते हैं। यानी कुल वार्डों में सबसे बड़ा हिस्सा सामान्य श्रेणी का है, जबकि एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण मिलकर भी बड़ी संख्या में वार्डों की राजनीतिक दिशा तय करते हैं। यह आंकड़ा महज प्रशासनिक वर्गीकरण नहीं है। राजनीतिक दलों के लिए यह अगले चरण की टिकट रणनीति का नक्शा है। जिस निकाय में जिस वर्ग के आरक्षित वार्ड ज्यादा हैं, वहां पार्टी को उम्मीदवारों की सामाजिक संरचना उसी हिसाब से तैयार करनी होगी।

बांसवाड़ा से डूंगरपुर और प्रतापगढ़ तक अलग-अलग राजनीतिक गणित संभाग के बड़े निकायों में बांसवाड़ा नगर परिषद के 60 वार्ड, चित्तौड़गढ़ के 60, डूंगरपुर के 40, राजसमंद के 45, निंबाहेड़ा के 45 और नाथद्वारा के 40 वार्ड हैं। इन बड़े निकायों में आरक्षण का प्रभाव केवल एक-दो वार्ड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे बोर्ड की सामाजिक संरचना पर पड़ेगा। बांसवाड़ा जैसे निकाय में आदिवासी राजनीति का प्रभाव स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण रहेगा, जबकि चित्तौड़गढ़, निंबाहेड़ा और राजसमंद जैसे क्षेत्रों में सामान्य, ओबीसी, एससी और एसटी वार्डों का मिश्रण पार्टियों को अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाने के लिए मजबूर करेगा। डूंगरपुर और आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में एसटी आरक्षण की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां पार्टी के उम्मीदवार चयन में स्थानीय सामाजिक नेतृत्व और समुदाय आधारित राजनीतिक प्रभाव को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

छोटे निकायों में भी मुकाबला कम महत्वपूर्ण नहीं

संभाग में 20 और 25 वार्ड वाली कई नगर पालिकाएं हैं'कुशलगढ़, अरनोद, आमेट, देवगढ़, भीम, धरियावद, प्रतापगढ़ क्षेत्र की पालिकाएं, आकोला, कपासन, बेगू और छोटी सादड़ी जैसे निकायों में चुनाव छोटे पैमाने का जरूर होगा, लेकिन राजनीतिक असर स्थानीय स्तर पर बड़ा हो सकता है। छोटे निकायों में एक-दो वार्ड का परिणाम बोर्ड की पूरी तस्वीर बदल सकता है। यहां पार्टी के बड़े नाम की तुलना में स्थानीय उम्मीदवार का व्यक्तिगत नेटवर्क ज्यादा प्रभावी हो सकता है। इसलिए इन निकायों में बागी और निर्दलीय उम्मीदवारों की भूमिका भी निर्णायक बनने की संभावना रहती है।

महिला आरक्षण ने भी बदला चुनाव का चेहरा

अध्यक्ष पदों के अलावा वार्डों के आरक्षण में भी महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान लागू है। इसका असर सीधे राजनीतिक नेतृत्व की नई पीढ़ी पर पड़ेगा। कई वार्डों में राजनीतिक दलों को ऐसे परिवारों से उम्मीदवार उतारने पड़ सकते हैं जिनका राजनीतिक प्रभाव पहले से है, लेकिन उम्मीदवार महिला होगी। कुछ जगहों पर यह वास्तविक महिला नेतृत्व का रास्ता खोल सकता है, जबकि कुछ जगहों पर पार्टियां पारंपरिक राजनीतिक परिवारों के महिला चेहरों पर निर्भर रह सकती हैं। यानी इस चुनाव का एक बड़ा परिणाम यह भी होगा कि कितनी नई महिला राजनीतिक पहचान स्थानीय निकायों से निकलकर सामने आती है।

आरक्षण से ज्यादा कठिन होगा टिकट का गणित

आरक्षण की घोषणा के बाद पहली नजर में ऐसा लगता है कि उम्मीदवारों की तस्वीर साफ हो गई। वास्तव में राजनीतिक दलों के लिए असली मुश्किल अब शुरू हुई है। एक वार्ड आरक्षित होने का अर्थ यह है कि पार्टी को उस श्रेणी का उम्मीदवार तलाशना होगा, लेकिन उसके बाद भी कई सवाल बाकी रहते हैं'क्या वह उम्मीदवार जीतने की स्थिति में है? क्या उसका स्थानीय नेटवर्क है? क्या वह पार्टी के साथ लंबे समय तक काम करता रहा है? क्या वह बागी होकर नुकसान पहुंचाने वाले संभावित प्रतिद्वंद्वी को रोक सकता है? इसलिए आरक्षण केवल पात्रता तय करेगा। जीतने की क्षमता टिकट तय करने का सबसे बड़ा आधार बनने वाली है। भाजपा के सामने विरासत बचाने की चुनौती, कांग्रेस के सामने सेंध की उदयपुर नगर निगम में भाजपा के लगातार छह बोर्ड का इतिहास कांग्रेस के सामने स्पष्ट चुनौती रखता है। कांग्रेस यदि इस बार सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे केवल भाजपा विरोधी वोट के भरोसे नहीं रहना होगा। उसे वार्ड स्तर पर मजबूत चेहरे खड़े करने होंगे और ऐसे उम्मीदवार चुनने होंगे जो स्थानीय स्तर पर भाजपा की संगठनात्मक मजबूती को चुनौती दे सकें। भाजपा के लिए चुनौती दूसरी है। लगातार सत्ता के बाद टिकट वितरण में असंतोष, पुराने पार्षदों के प्रति नाराजगी, नए चेहरों की मांग और संभावित बागियों को संभालना पार्टी के लिए निर्णायक होगा। दोनों पार्टियों की पहली लड़ाई एक-दूसरे से पहले अपने भीतर होगी। 4 लाख 72 हजार से ज्यादा मतदाता, लेकिन चुनाव वार्ड में जीता जाएगा उदयपुर जिले के छह निकायों में कुल 4 लाख 72 हजार 609 मतदाता हैं। इनमें उदयपुर नगर निगम का हिस्सा सबसे बड़ा है। जिले के इन निकायों में कुल 190 वार्ड और 516 मतदान केंद्र हैं। लेकिन चुनाव का वास्तविक गणित कुल मतदाताओं से नहीं, बल्कि वार्डों में वोट के छोटे अंतर से तय होगा। स्थानीय निकाय चुनाव में कुछ सौ वोट का अंतर भी पूरे बोर्ड की तस्वीर बदल सकता है। यही वजह है कि राजनीतिक दलों की रणनीति अब बड़े नारों से ज्यादा बूथ और वार्ड स्तर पर केंद्रित होगी।

संभाग में कुल 905 वार्ड—आरक्षण ने बना दिया राजनीतिक नक्शा

अगर पूरे संभाग को एक साथ देखें तो तस्वीर साफ है। 28 निकाय, 905 वार्ड और चार प्रमुख आरक्षण समूह'एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य। लेकिन इसके भीतर राजनीतिक कहानी बहुत ज्यादा जटिल है। कहीं आदिवासी आरक्षण निर्णायक है, कहीं ओबीसी दावेदारी का विस्तार कर रहा है, कहीं महिला आरक्षण ने पुरुष दावेदारों को बाहर किया है और कहीं अनारक्षित सीट ने सभी वर्गों के लिए रास्ता खोल दिया है। यानी इस बार उदयपुर संभाग का निकाय चुनाव एक जैसी रणनीति से नहीं लड़ा जा सकता। हर निकाय के लिए अलग सामाजिक और राजनीतिक फार्मूला तैयार करना होगा।

अब सबसे बड़ा इंतजार टिकटों का

आरक्षण की लॉटरी ने चुनाव का पहला बड़ा रहस्य खोल दिया है। अब निगाहें राजनीतिक दलों पर हैं। उदयपुर में मेयर के संभावित चेहरे कौन होंगे? भींडर में कौन अपना दावा पेश करेगा? सलूंबर में कौन मजबूत होगा? कानोड़ में ओबीसी चेहरों में किस पर दांव लगेगा? फतहनगर-सनवाड़ में कौन महिला नेता आगे आएगी? मावली और वल्लभनगर में नई नगर पालिकाओं का पहला नेतृत्व कौन संभालेगा? इन सवालों के जवाब टिकटों के साथ सामने आएंगे। फिलहाल इतना तय है कि आरक्षण ने चुनाव की सीमा तय कर दी है, लेकिन चुनाव का परिणाम उम्मीदवार तय करेंगे। उदयपुर में मेयर पद खुलने से मुकाबला जरूर खुला है, मगर असली लड़ाई अब 80 वार्डों के भीतर शुरू होगी। और संभाग के 28 निकायों के 905 वार्डों में यही वार्डवार मुकाबला तय करेगा कि चुनाव के बाद सत्ता की चाबी किस राजनीतिक दल के हाथ में जाती है। लॉटरी ने सीटें बांट दीं, अब राजनीति चेहरे बांटेगी'और जनता तय करेगी कि उन चेहरों में से सत्ता किसे मिलती है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।